<u>नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अहमदाबाद के तत्वावधान में</u>
<u>अंतरिक्ष उपयोग केंद्र/ विकास एवं शैक्षिक संचार यूनिट में आयोजित</u>
<u>हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता</u>

इसरो के अंतरिक्ष उपयोग केंद्र तथा विकास एवं शैक्षिक संचार यूनिट, अहमदाबाद कार्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अहमदाबाद के तत्वावधान में 13 मई 2016 को हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नराकास अहमदाबाद के विविध सदस्य कार्यालयों के स्टाफ सदस्यों द्वारा 44 कविताएँ प्रस्तुत की गईं।

मुख्य आयकर आयुक्त, अहमदाबाद की अध्यक्षता में अहमदाबाद नगर में गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक छमाही में एक बैठक आयोजित की जाती है। इन बैठकों के आयोजन का उद्देश्य होता है कि केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के मार्ग में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए संयुक्त मंच पर चर्चा की जा सके। नराकास की छमाही बैठक में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है और इसे बढ़ावा देने के लिए विविध प्रयास किए जाने संबंधी विभिन्न निर्णय लिए जाते हैं।

तदनुसार राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नराकास, अहमदाबाद की 28.01.2016 को आयोजित 67वीं छमाही बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि छमाही के दौरान हिंदी की विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन नराकास, अहमदाबाद के सदस्य कार्यालयों के स्टाफ सदस्यों हेतु किया जाए। इस बैठक में अंतरिक्ष उपयोग केंद्र से श्री राजकुमार अरोरा, नियंत्रक, सैक तथा विकास एवं शैक्षिक संचार यूनिट से श्री वीरेन्दर कुमार, निदेशक, डेकू ने हिस्सा लिया। उन्होंने अंतरिक्ष उपयोग केंद्र तथा डेकू के कार्यालयों में हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किए जाने की सहमति प्रदान की।

बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार श्री तपन मिश्रा, निदेशक, सैक के अनुमोदन से 13 मई 2016 को अंतरिक्ष उपयोग केंद्र तथा विकास एवं शैक्षिक संचार यूनिट (इसरो), अहमदाबाद के परिसर में हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन हेतु निदेशक, सैक की अनुमति से श्री बी.एस. मुंजाल की अध्यक्षता में हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता समिति का गठन किया गया। इस समिति के सदस्यों में श्रीमती पूनम प्रदीप कुमार एवं श्री देवांग मांकड शामिल थे तथा समिति के सदस्य सचिव पद का उत्तरदायित्व श्री आशीष सोनी को सौंपा गया। सर्वप्रथम विविध सदस्य कार्यालयों से प्रतियोगिता में प्रतिभागिता हेतु स्वरचित कविताएँ आमंत्रित की गईं। सदस्य कार्यालयों से इस दिशा में काफी अच्छे प्रतिभाव प्राप्त हुए तथा बड़ी संख्या में कविताएँ प्रस्तुति हेतु प्राप्त हुईं।

मंच पर मधय में विराजमान श्री तपन मिश्रा, निदेशक, सैक, श्री वीरेन्दर कुमार, निदेशक, डेकू तथा दाहिनी ओर श्री बी.एस. मुंजाल, अध्यक्ष, हिन्दी काव्यपाठ प्रतियोगिता एवं बायीं ओर श्री बी.आर. राजपूत, वरि. हिन्दी अधिकारी

हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता समिति ने निर्णय लिया कि इन कविताओं का एक संकलन प्रकाशित किया जाए। इस दिशा में विशेष पहल करते हुए श्री आशीष सोनी जी ने "खामोशियाँ" नाम से एक काव्य संकलन तैयार किया। इस संकलन के प्रकाशन हेतु निदेशक, सैक ने संदेश दिया कि इस काव्यसंकलन की कविताओं को पढ़ना एक सुखद अनुभूति है, कवि के लिए भी और पाठकों के लिए भी। कविताएँ भाषा की उन्नति के लिए अत्यंत उपयोगी होती हैं। निर्णय लिया गया कि यह संकलन हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी कवियों को भेंटस्वरूप प्रदान किया जाए। तदनुसार पुस्तकालय एवं प्रलेखन प्रभाग, सैक के सहयोग से इस संकलन की प्रतियाँ प्रिंट कराई गईं।

दीप प्रज्जवलन करते हुए श्री तपन मिश्रा, निदेशक, सैक, श्री वीरेन्दर कुमार, निदेशक, डेकू, श्री बी.एस. मुंजाल, अध्यक्ष, हिन्दी काव्यपाठ प्रतियोगिता एवं श्री बी.आर. राजपूत, वरि. हिन्दी अधिकारी

प्रतियोगिता के दिन विविध कार्यालयों के प्रतिभागी उत्साह के साथ सैक/डेकू के प्रांगण में पधारे। वे सभी परिसर की शोभा एवं गरिमा देखकर काफी उत्साहित थे। कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए श्री तपन मिश्रा, निदेशक, सैक और श्री वीरेंदर कुमार, निदेशक, डेकू स्वयं उपस्थित थे। निदेशक, सैक, निदेशक, डेकू, श्री बी.एस. मुंजाल, अध्यक्ष, हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता समिति,

श्री बी.आर. राजपूत, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, श्री आशीष सोनी, सदस्य सचिव, हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता समिति द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को भेंट स्वरूप काव्यसंकलन की प्रति प्रदान करते हुए श्री तपन मिश्रा, निदेशक, सैक, श्री वीरेन्दर कुमार, निदेशक, डेकू, श्री राजेश खंडेलवाल, ग्रुप प्रधान, पीपीईजी, डेकू एवं श्री जी.चंद्रशेखर, प्रधान, पीजीए, सैक

निदेशक, सैक ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का उत्साह देखते हुए लगता है कि सरकारी कर्मचारी मात्र अपने कार्य के प्रति ही समर्पित नहीं हैं अपितु उनमें सृजनात्मकता भी कूट-कूटकर भरी है। श्री वीरेंदर कुमार, निदेशक, डेकू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए केंद्र की हिंदी अधिकारी श्रीमती नीलू सेठ, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी श्री बी.आर. राजपूत, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के मार्गनिर्देशन में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए अथक प्रयास करते हैं।

प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सफल आयोजन हेतु उन्होंने सभी को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में श्री विकास पटेल, ग्रुप प्रधान, पीपीजी, सैक, श्री राजेश खंडेलवाल, ग्रुप प्रधान, पीपीईजी, डेकू, श्री जी. चन्द्रशेखर, प्रधान, पीजीए भी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुत कविताएँ विविध विषयों से संबंधित थीं। किसी ने 'बचपन' तो किसी ने 'माँ' पर कविता प्रस्तुत की। इसरो के चंद्रयान, मंगल मिशन एवं नाविक (भारतीय उपग्रह मंडल में नौवहन) पर भी कविताएँ प्रस्तुत की गईं। एक प्रतिभागी ने तो अपने विचार प्रस्तुत करते हुए यहाँ तक कहा कि वैज्ञानिक क्षेत्र में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए इसरो जैसी संस्था में प्रवेश एक मंदिर में प्रवेश के समान है और उनका यह सपना साकार होना उनके लिए गौरव की बात है।

प्रस्तुति देते हुए अहमदाबाद, नराकास के विविध सदस्य कार्यालयों से पधारे प्रतिभागीगण

प्रतियोगिता के मध्य में डेकू द्वारा आईआरएनएसएस-1जी पर तैयार किया गया वृत्त चित्र सभी प्रतिभागियों को दिखाया गया। श्री राजेश खंडेलवाल जी ने सभा को संबोधित करते हुए इस उपग्रह के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। साथ ही श्री राजेश खंडेलवाल जी सभी को यह भी बताया कि माननीय प्रधानमंत्री महोदय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा इस उपग्रह को "नाविक" नाम प्रदान किया गया है। इस वृत्तचित्र को देखकर सभी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने देखा कि नाविक किस प्रकार कार्य करेगा और कैसे यह भारतीय उपग्रह मंडल को विविध सेवाओं में सहयोग प्रदान करेगा। कुल 44 प्रतिभागियों ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। अंत में श्री बी.आर. राजपूत, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अहमदाबाद का आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता के संचालन में समिति ने अथक परिश्रम दर्शाते हुए सभी कवियों को प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया। कवि द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली प्रत्येक कविता से संबंधित पोस्टर एवं

कविता का शीर्षक, कवि का नाम, संबंधित कार्यालय का नाम आदि विवरण मंच पर स्क्रीन पर प्रदर्शित किए जा रहे थे। सभी प्रतिभागियों द्वारा इस प्रयास को काफी सराहा गया। विविध कवियों द्वारा स्तरीय कविताएँ प्रस्तुत की गईं। सभी कविताएँ रोचक एवं रसप्रद थीं, जिन्होंने श्रोताओं को बांधे रखा। कार्यक्रम करीब 4 घंटे चला।

कार्यक्रम के आयोजन में श्री तपन मिश्रा, निदेशक, सैक, नियंत्रक, सैक, तथा श्री वीरेंदर कुमार, निदेशक, डेकू एवं श्री राजेश खंडेलवाल, ग्रुप प्रधान, पीपीईजी, डेकू से भी विशेष मार्गनिर्देश एवं सहयोग प्राप्त हुआ।

काव्यपाठ प्रतियोगिता निर्णायक मंडल

डेकू द्वारा संपूर्ण कार्यक्रम का वीडियो कवरेज किया गया जिसकी संपूर्ण डीवीडी तैयार की गई। संपूर्ण कार्यक्रम की संक्षिप्त झलक दिखाने के लिए इस वीडियो कार्यक्रम को एडिट कर 10 मिनट का संक्षिप्त कार्यक्रम तैयार किया गया, जो इस पोर्टल पर देखा जा सकता है।

अंत में हिन्दी अनुभाग, सैक/डेकू भी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन करवाया।